रिमझिम पाठ- 15. बिशन की दिलेरी

कहानी से

प्रश्न 1. "जी हाँ, हमारे पास लाइसेंस वाली बंदूकें हैं| सरपंच माधोसिंह भी हमें जानता हैं|" शिकारियों ने कर्नल साहब से क्या सोच कर ऐसा कहा होंगा?

उत्तर- शिकारियों ने सोचा होगा कि कर्नल साहब हमें डाँटेंगे इसलिए उन्होंने ऐसा कहा होगा|

प्रश्न 2. बिशन घायल तीतर को क्यों बचाना चाहता था?

उत्तर- बिशन घायल तीतर को इसलिए बचाना चाहता था क्योंकि उसे शिकारियों द्वारा तीतरों को मारना बहुत बुरा लगता था| वैसे भी वह जानता था कि शिकारी इस तीतर को खेत मे ढूँढ नहीं पाएँगे और घायल तीतर यहीं तड़प-तड़पकर अपने प्राण त्याग देगा|

प्रश्न 3. घायल तीतर को बचाने के लिए उसे किस तरह की परेशानियाँ हुईं?

उत्तर- उसे काँटेदार झाड़ियों के रास्ते से जाना पड़ा| वह घुटनों के बल चल रहा था जिस कारण उसके हाथ-पाँव में काँटे भी चुभ गए थे| वह काफी देर तक दौड़ता रहा, जिससे उसकी कमीज़ पसीने से गीली व फट भी गई थी|

प्रश्न 4. घायल तीतर अगर तुम्हें मिला होता, तो तुम उसे पालते या अच्छा होने पर छोड़ देते? क्यों?

उत्तर- घायल तीतर अगर हमें मिला होता तो हम उसे अच्छा होने पर छोड़ देते क्योंकि सभी पशु-पक्षियों को स्वंतत्र रहने का अधिकार है| सभी पक्षी स्वंतत्र रहकर ही खुश रहते है|

प्रश्न 3. इन वाक्यों को पूरा करो-

(क) वह इतना धीरे चल रहा था , मानो.....

(ख) रात में चमकते तारे ऐसे दिख रहे थे , मानो .....

(ग) तुम तो मंगल ग्रह के बारे में ऐसे बता रहे हो ,मानो .....

(घ) बिल्ली चूहे को ऐसी ललचाई नज़रों से देख रही थी , मानो .....

उ त्तर- (क) वह इतना धीरे चल रहा था, मानो **चींटी चल रही हो|**

(ख) रात में चमकते तारे ऐसे दिख रहे थे, मानो **आकाश में तारों की चादर बिछी हो|**

(ग) तुम तो मंगल ग्रह के बारे में ऐसे बता रहे हो,मानो **तुम मंगल ग्रह पर जाकर आए हो|**

(घ) बिल्ली चूहे को ऐसी ललचाई नज़रों से देख रही थी, मानो **अभी खा जाएगी |**

फसलों के इर्द-गिर्द

प्रश्न 1. इस कहानी में सेबों के खेत और सीढ़ीनुमा खेत का जिक्र आया है| अनुमान लगाकर बताओ कि यह कहानी भारत के किस भौगोलिक क्षेत्र की होगी और वहाँ सीढ़ीनुमा खेती क्यों की जाती होगी?

उत्तर- यह कहानी भारत के उत्तरी भाग की होगी| वहां सीढ़ीनुमा खेती समतल भूमि के अभाव के कारण की जाती है | हिमाचल या कश्मीर ही ऐसे भाग है| वैसे भी इन क्षेत्रों में भारी वर्षा और बर्फबारी के कारण सीढ़ीनुमा खेत बनाए जाते हैं| जिससे पानी फसलों को नष्ट ना कर सके|

प्रश्न 2. " सेबों के बाग में कीटनाशक दवा का छिड़काव हो रहा था|"
यों तो कीटनाशक से दवाएँ फलों, सब्जियों और अनाज की फसलों को कीड़ा लगने से बचाती है , पर
(क) ये कीटनाशक दवाएँ कीड़ों को नष्ट करती है | इससे इनका सेवन करने से क्या हमें भी नुकसान होगा? पता करो और कक्षा में बातचीत करो|
उत्तर - फलों, सब्जियों और अनाज की फसलों को कीड़े से बचाने के लिए किटनाशक दवाएँ छिड़की जाती है| ये कीटनाशक दवाएँ कीड़ों को नष्ट करती है| लेकिन इनमें जहर की मात्रा बहुत ही कम होती है| इसलिए उनके सेवन से नुकसान नहीं होता है| लेकिन फिर भी वह कीटनाशक हमारे पाचन तंत्र पर थोड़ा-बहुत प्रभाव डालते हैं| इसलिए इसके सेवन से पहले अच्छे से धोना चाहिए|

(ख) ऐसे में फलों और सब्जिओं का इस्तेमाल करने से पहले किन - किन बातों का ध्यान रखना जरूरी होगा?
उत्तर - फलों और सब्जियों को कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक दवाओं का छिडकाव किया जाता है| इसलिए फलों और सब्जियों को खाने से पहले अच्छी तरह से धोना चाहिए| सब्जियों को पका कर खाना चाहिए| कटी हुई सब्जियों या फलों को नहीं खाना चाहिए|

तुम्हारे आस-पास

प्रश्न 1. कर्नल दत्ता ने घायल तीतर को गेंदे की पत्तियों का रस पिलाने के लिए कहा| पत्तों का इस्तेमाल कई कामों के लिए होता है| नीचे लिखी पत्तियों का इस्तेमाल किसलिए होता है?

तुलसी, नीम, मीठा नीम, आम, अमरुद, तेजपत्ता, केला, सागवान

उत्तर- तुलसी – पूजा-पाठ करने तथा चाय में डालने में प्रयोग होती है|

नीम - फोड़े-फूँसी पर लगाने तथा दवाइयों में प्रयोग होता है|

मीठा नीम - (करी पत्ता) सब्जियाँ व दाल बनाने में प्रयोग होता है|

आम - पूजा-पाठ और हवन आदि में प्रयोग होता है|

अमरुद - दवाइयों में प्रयोग होता है|

तेजपत्ता - सब्जी में डालने तथा मसाला बनाने में प्रयोग होता है|

केला - पूजा-पाठ तथा भोजन करने में प्रयोग होता है|

सागवान - दोने-पत्तल बनाने तथा कपड़ों की रंगाई में प्रयोग होता है|

प्रश्न 2. "कर्नल साहब के कहने पर बिशन दौड़कर 'दवाइयों का बक्सा' ले आया|" इसे तुम 'प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स /फर्स्ट एड बॉक्स' के नाम से जानते होंगे|

(क) इस बक्से में क्या-क्या चीज़ें होती हैं?

उत्तर- इस बक्से में कपड़ो की पट्टी, रुई, डेटॉल, कटने-छिलने की दवाई, कैंची, चिमटी आदि चीजें होती है|

(ख) इसका इस्तेमाल कब-कब किया जाता है?

उत्तर- इसका इस्तेमाल मामूली चोट लगाने या छोट-मोटे उपचार के लिए किया जाता है|

प्रश्न 3. तुमने पर्यावरण अध्ययन में पढ़ा होगा कि पहाड़ी क्षेत्रों में आमतौर पर छतें, ढलावदार बनाई जाती है| सोचकर बताओ की ऐसा क्यों किया जाता है?

उत्तर- पहाड़ी क्षेत्रों में आमतौर पर छतें ढलावदार बनाई जाती हैं क्योंकि इन क्षेत्रों में बर्फ आदि पड़ती रहती हैं जो समतल छत होने पर उसमे जमा हो सकती है| जिससे मकान गिरने का खतरा हो सकता है| इसके साथ ही ये ढलावदार छते तेज बारिश के लिए भी उपयुक्त हैं|